

---

shrIgurustutiH

श्रीगुरुस्तुती

Document Information

---

Text title : gurustutiH 1

File name : shrIgurustutiH.itx

Category : deities\_misc, gurudev, stotra, gaNapati-muni, ramaNa-maharShi

Location : doc\_deities\_misc

Author : Ganapati Muni with Ramana Maharshi

Transliterated by : DPD

Proofread by : DPD

Description-comments : From The Collected Works of Vasishtha Kavyakantha Ganapati Muni Vol  
1

Latest update : November 24, 2012

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

shrIgurustutiH

श्रीगुरुस्तुती



थो बभाषाभाषात्रेव मुनिभ्यो ब्रह्म निर्द्धयम् ।

दक्षिणामूर्तये तस्मै प्रज्ञानगुरवे नमः ॥ १ ॥

स्थापितं ब्रह्मनिष्ठेन येनाद्वैतमतं भुवि ।

तस्मै शङ्करसंज्ञाय विज्ञानगुरवे नमः ॥ २ ॥

अंशावतारः स्कन्दस्य विश्वाचार्यो विदां वरः ।

प्रणम्यते मडाभागो रमणो भगवानृषिः ॥ ३ ॥

दक्षिणामूर्तिसारम्भां शङ्कराचार्यमध्यमाम् ।

रमणाचार्यपर्यन्तां वन्दे गुरुपरम्पराम् ॥ ४ ॥

तिमिराणि न केवलं वयोभिः

करुणापाङ्गविलोकितैश्च नृणाम् ।

दृष्टये प्रसरन्ति मर्दयन्तं

भगवन्तं रमणं गुरुं नमामि ॥ ५ ॥

॥ षति श्रीभगवन्महर्षिरमणान्तेवासिनो वासिष्ठस्य

नरसिंहसूनोः गाणपतेः कृतिः श्रीगुरुस्तुतिः समाप्ता ॥

अनुष्टुप्वृत्तम् (१-४) । सुबोधितावृत्तम् (५)

Encoded and proofread byDPD

---

shrIgurustutiH

pdf was typeset on December 22, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

